

प्राण आधारी हमारी श्री कोकिल प्यारी  
शील स्नेह सींगारी श्री कोकिल प्यारी॥

आनन्द की निधि प्रेम की मूरति  
सरल स्वभाव सुकुमारी श्री कोकिल प्यारी॥

रैन दिवस पिय पिय रट लावे  
निकुंज आंगन उज्यारी श्री कोकिल प्यारी॥

सतिसंग सुधा की सदां प्यासी  
लाड़ लड़ावन हारी श्री कोकिल प्यारी॥

मंजुल मंगल मोद मई है  
करे मधुर किलकारी श्री कोकिल प्यारी॥

चिर जीवे श्री कोकिल सहिचरि  
मूरति है मनहारी श्री कोकिल प्यारी॥